अनुक्रम

अपनी बात — *डॉ. करन सिंह ऊटवाल* — (*v*)

खंड-1
हिंदी साहित्य के मुस्लिम लेखक

1. मलिक मुहम्मद जायसी कृत 'पद्मावत' के शिल्प में स्थित गंगा-जमुनी तहज़ीब	*डॉ. शे. रज़िया शहनाज़ शे. अब्दूला*	3
2. रहीम : समन्यवादी दृष्टिकोण के कवि	*डॉ. सोनाली मेहता*	6
3. रसखान : सांप्रदायिक सद्भावना के कवि	*एम. रामचन्द्रम*	10
4. सैयद इब्राहीम रसखान का कृष्ण प्रेम और माधुर्य भक्ति	*डॉ. अफ़सर उन्निसां बेगम*	12
5. जायसी : गंगा-जमुनी तहज़ीब के अमर कवि	*डॉ. विनोद तू रोडनवर*	16
6. जायसी : प्रेममार्गी शाखा के कवि	*डॉ. पी. नागमणि*	18
7. 'रसलीन' का हिंदी साहित्य को प्रदेय	*डॉ. गुर्रमकोंडा नीरजा*	21
8. पद्मावत : गंगा-जमुनी तहज़ीब की अजस्रधारा	*डॉ. रामचंद्र रजक*	27
9. जायसी : प्रेममार्गी सूफ़ी काव्यधारा के लोकप्रिय कवि	*डॉ. सुभाष कुमार शर्मा*	31
10. रसखान के काव्य में चित्रित कृष्ण लीलाएं	*डॉ. सुभाष क्षीरसागर*	35
11. रसखान : हिंदी साहित्य के मुस्लिम लेखक की श्रीकृष्ण भक्ति	*श्रीमती इंदु सिंह*	39
12. रहीम : कल भी, आज भी और कल भी	*डॉ. सी. कामेश्वरी*	43

13.	रसखान : हिंदी साहित्य में गंगा-जमुनी संस्कृति के प्रतीक	*डॉ. सुषमा देवी*	47
14.	महाकवि जायसी : गंगा-जमुनी तहज़ीब के प्रवर्तक	*बाबासाहेब लांडगे 'सारथी'*	52
15.	रसखान का हिंदी और हिंदू प्रेम	*संतोष नागापुरे*	55
16.	रसखान : समन्वय, प्रेम और एकता के परिप्रेक्ष्य में	*चिन्मयी दास*	58
17.	प्रेममार्गी सूफ़ी कवियों की रचनाओं में व्यक्त साझी विरासत	*एल. अनिल*	62
18.	जायसी : हिंदू-मुस्लिम एकता के प्रतिनिधि कवि	*गीतांजली साहू*	65
19.	जायसी : प्रेममार्गी शाखा के कवि	*जनार्धन*	69
20.	रहीम : सांस्कृतिक समन्वय के प्रणेता	*ज़िनित सबा*	71
21.	प्रेममार्गी काव्य में गंगा-जमुनी तहज़ीब	*डॉ. वी. पी. पार्वती*	75
22.	'गुरु ग्रंथ साहिब' में संकलित मुस्लिम कवियों की वाणी	*श्रीमती हरबंस कौर*	78
23.	रसखान : भारतीय संस्कृति के प्रतिनिधि कवि	*डॉ. मोहम्मद ज़मील अहमद*	82
24.	जायसी को हिंदू समाज एवं संस्कृति की गहरी समझ	*धर्मेन्द्र कुमार सिंह*	86
25.	हिंदी साहित्य की प्रेममार्गी काव्यधारा में गंगा-जमुनी तहज़ीब की अभिव्यक्ति	*सुशील कुमार*	91
26.	गंगा-जमुनी तहज़ीब में मुस्लिम कवियों का योगदान	*बबीता झा*	94
27.	जायसी कृत पद्मावत में दो संस्कृतियों का समन्वय	*आलोक कुमार पाण्डेय*	97
28.	गंगा-जमुनी तहज़ीब और प्रेममार्गी कवि जायसी	*बर्नाली नाथ*	100
29.	रसखान : भारतीय विरासत के प्रतीक पुरुष	*रौशन कुमार 'नायक'*	104
30.	रहीम के काव्य में गंगा-जमुनी तहज़ीब	*घोरपड़े पद्माकर पांडुरंग*	108
31.	प्रेम कथा एहि भांति बिचारहु	*इमरान अंसारी*	111
32.	रसखान की कृष्ण भक्ति	*पार्वती भगवानराव देशपांडे*	115

33. भारतीय संस्कृति के समन्वय में पद्मावत की भूमिका — *कादम्बिनी मिश्रा* — 118
34. रहीम के काव्य में भारतीय संस्कृति की झलक — *राहत जमाल सिद्दीकी* — 122
35. भक्तिकालीन कवियों का हिंदू-मुस्लिम समन्वय — *शिराजोद्दीन* — 126
36. सूफ़ी मत : प्रति-संस्कृति की तलाश — *प्रमोद कुमार शर्मा* — 129
37. सूफ़ी कवियों की रचनाओं में गंगा-जमुनी तहज़ीब — *धोंडी चंद्र प्रकाश* — 135
38. हिंदी साहित्य के मुस्लिम लेखक : गंगा-जमुनी तहज़ीब के प्रतीक — *चन्द्रकान्ती पाण्डेय* — 138
39. प्रेममार्गी काव्य में हिंदू और मुस्लिम संस्कृति का समन्वय — *प्रियंका कुमारी* — 141
40. गंगा-जमुनी तहज़ीब में प्रेमाख्यान काव्य की प्रासंगिकता — *डॉ. खाजी एम. के.* — 145
41. गंगा-जमुनी तहज़ीब में प्रेममार्गी सूफ़ी कवियों के एकता आंदोलनों की भूमिका — *मोहम्मद नज़रूल होदा* — 149
42. प्रेममार्गी कवियों का मानवता को साझी संस्कृति अपनाने का संदेश — *सुशीला टोप्पो* — 153
43. हिंदी साहित्य के विकास में निरंतर कार्यरत मुस्लिम साहित्यकार — *डॉ. दोड्डा शेषु बाबु* — 157
44. गंगा-जमुनी तहज़ीब के उन्नयन में मुस्लिम रचनाकारों का निर्विवाद योगदान — *प्रो. ऋषभ देव शर्मा* *डॉ. गुर्रमकोंडा नीरजा* — 161

खंड-2

उर्दू साहित्य के गैर-मुस्लिम लेखक

45. फ़िराक़ गोरखपुरी : हिंदी-उर्दू की साझी विरासत के विशिष्ट गैर-मुस्लिम शायर — *सुभाष कुमार* — 171
46. फ़िराक़ सदी की साझी आवाज़ — *डॉ. प्रोमिला* — 175

खंड-3

उर्दू और हिंदी–दोनों भाषाओं में लिखने वाले लेखक

47. राही मासूम रज़ा : गंगा-जमुनी तहज़ीब के संरक्षक — *अजय* — 183
48. प्रेमचंद के कथा साहित्य में गंगा-जमुनी तहज़ीब — *डॉ. के ज्योति रानि* — 187
49. प्रेमचंद की कहानियों में गंगा-जमुनी तहज़ीब — *डॉ. जी.वी. रत्नाकर* — 191
50. राही मासूम रज़ा के साहित्य में गंगा-जमुनी संस्कृति की प्रतिष्ठा — *डॉ. राहुल उठवाल* — 195
51. राही मासूम रज़ा के उपन्यासों में धार्मिक-सांस्कृतिक एकता — *एम मधुकर राव* — 201
52. हिंदू-मुस्लिम एकता के परिप्रेक्ष्य में असगर वजाहत का योगदान — *डॉ. रेविता बलभीम काबळे* — 205
53. हिंदी-उर्दू के हिमायती प्रेमचंद — *अभिमन्यु सिंह* — 209
54. प्रेमचंद के लेखन में गंगा-जमुनी तहज़ीब — *अतुल कुमार पांडेय* — 215
55. प्रेमचंद के साहित्य में सांप्रदायिक एकता — *बोईनवाड कृष्णा बाबुराव* — 218
56. राही के लेखन में व्यक्त भाषाई चिंतन — *अम्बरीन आफताब* — 224
57. नासिरा शर्मा के उपन्यासों में गंगा-जमुनी संस्कृति का संगम — *बी. श्रीलता* — 228
58. प्रेमचंद की 'मंदिर और मस्जिद' तथा 'मुक्तिधन' कहानियों में गंगा-जमुनी तहज़ीब — *चिराग राजा* — 233
59. नज़ीर : गंगा-जमुनी तहज़ीब के कवि — *कुमुद रंजन मिश्र* — 237
60. नासिरा शर्मा के कथा साहित्य में सांस्कृतिक बोध — *टी. माधवी* — 240
61. गंगा-जमुनी तहज़ीब की विरासत और नज़ीर अकबराबादी — *आज़ाद* — 244
62. मेरा नाम मुसलमानों जैसा है : राही मासूम रज़ा — *खुशबू* — 250
63. नज़ीर अकबराबादी के काव्य में चित्रित गंगा-जमुनी तहज़ीब — *ज़ेनब खान* — 254

64. नासिरा शर्मा के कथा साहित्य में साझी संस्कृति के दर्शन — *शेख परवीन बेगम, शेख इब्राहीम* 258
65. राही मासूम रज़ा के उपन्यासों में चित्रित हिंदू-मुस्लिम एकता — *गफारखान* 261
66. 'हिंदुस्तानी' की अवधारणा और प्रेमचंद — *दिवाकर दिव्यांशु* 264
67. रज़ा के 'आधा गांव' उपन्यास में चित्रित हिंदू-मुस्लिम एकता — *शेख अजमोद्दीन जैनोद्दीन* 269
68. नासिरा शर्मा की कहानियों में गंगा-जमुनी तहज़ीब — *ज्योतिष कुमार यादव* 272
69. अमीर खुसरो : भारतीय सामाजिक संस्कृति के पुरोधा — *पल्लवी रिनाहिते* 275
70. 'मैं एक फेरीवाला' के संदर्भ में गंगा-जमुनी तहज़ीब — *इबरार खान* 279
71. प्रेमचंद की कहानियों में हिंदू-मुस्लिम एकता का संदेश — *माधनुरे राहुल* 283
72. प्रेमचंद की कहानियों में गंगा-जमुनी तहज़ीब — *प्रकाश* 286
73. गुलशेर खां शानी के उपन्यास 'काला जल' में साझी संस्कृति — *फारुक एस डी* 290
74. गंगा-जमुनी तहज़ीब परंपरा की साहित्यिक छवि — *बनजा तालदी* 294
75. हिंदी-उर्दू ग़ज़ल और गंगा-जमुनी तहज़ीब — *मो. आसिफ अली* 298
76. नज़ीर अकबराबादी के काव्य में धार्मिक एवं सांस्कृतिक समन्वय — *डॉ. पठान रहीम खान* 302
77. भारतीय संस्कृति में साझी संस्कृति के तत्त्व — *उषा यादव* 306
78. सांस्कृतिक समन्वय और अमीर खुसरो — *डॉ. खंदारे चंदू* 310
79. राही मासूम रज़ा के उपन्यासों में चित्रित साझी विरासत — *डॉ. वाजदा इशरत* 314
80. अमीर खुसरो : गंगा-जमुनी तहज़ीब की तूती — *डॉ. अपर्णा चतुर्वेदी* 318
81. प्रेमचंद साहित्य में मुसलमान संस्कृति और भारतीय एकता की झलक — *डॉ. शिवसर्जन ठाले* 321

82. प्रेमचंद का धर्म-संप्रदाय निरपेक्ष कहानी साहित्य — *डॉ. मीना सिंह* — 324
83. प्रेमचंद की कहानियों का मुख्य आधार– मुसलमान और इस्लाम धर्म — *ए. साम्बसिव राव* — 328
84. मंजूर–एहतेशाम : गंगा-जमुनी तहज़ीब के लेखक : ('सूखा बरगद' उपन्यास के संदर्भ में) — *दिलशाद अहमद* — 330
85. नासिरा शर्मा की कहानियों में सांस्कृतिक एकता — *बी. प्रसाद* — 334
86. नज़ीर अकबराबादी: गंगा-जमुनी मुश्तरका तहज़ीब के रसिया — *श्रीसेन कुमार भारती* — 338
87. नज़ीर अकबराबादी : गंगा-जमुनी संस्कृति के प्रतीक — *सविता देवी* — 343
88. गंगा-जमुनी तहज़ीब को कायम रखते नज़ीर अकबराबादी — *नम्रता सिंह* — 347
89. नज़ीर अकबराबादी की शायरी में साझी विरासत की झलक — *टंकर बाबू* — 350
90. प्रेमचंद : साझी विरासत के प्रतीक — *अबू होरैरा* — 354
91. हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन में हिंदी-उर्दू की वैचारिक पृष्ठभूमि — *भावना* — 357
92. अठारह सौ सत्तावन का स्वाधीनता संग्राम और हिंदी-उर्दू की लोक पृष्ठभूमि — *सुनील कुमार यादव* — 361
93. दक्खिनी कवि मुल्ला वजही के साहित्य पर भारतीय संस्कृति का प्रभाव — *डॉ. मोहनराव वेल्पुला* — 364
94. क़ुली क़ुतुबशाह का काव्य संसार और साझी संस्कृति — *डॉ. शेख़ अब्दुल ग़नी* — 367
95. दक्खिनी कवि मुहम्मद क़ुली क़ुतुबशाह की शायरी में गंगा-जमुनी तहज़ीब — *डॉ. तबस्सुम बेग़म* — 372
96. हिंदी और उर्दू की साझी विरासत — *पूजा साव* — 376
97. दक्खिनी हिंदी और ख्वाजा बंदानवाज — *एम. सुधाकर* — 380
98. हिंदी-उर्दू शायरी में साझा सांस्कृति के तत्त्व — *डॉ. कहकशां लतीफ़* — 384
99. दक्खिनी हिंदी का ऐतिहासिक अवलोकन व दक्खिनी कवियों का परिचयात्मक मूल्यांकन — *डॉ. आस्मा बानु* — 388

परिशिष्ट

1. *हिंदी और उर्दू की साझी विरासत तथा गंगा-जमुनी तहज़ीब पर प्रमुख विद्वानों के विचार* 395

2. *लेखक परिचय* 403